संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार **CCRT Newsletter**

खण्ड 3 • अंक 10 • अक्तूबर 2025 Volume 3 • Issue 10 • October, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

अधिक सुंदर एवं प्रदीप्त आकारों का चुनाव करना यह कलाकारों का लक्ष्य होता था। इसीलिए कलाकार चित्रकला में वर्ण-संगीत (हार्मनी) प्रस्थापित कर सकता था। उनके लिए सौंदर्य का दूसरा नाम वर्ण-संगीत अथवा 'मेल' था। दार्शनिक ने भी शुरूआत से ही इस बात को स्वीकृति दी है। किन्तु मनोविज्ञान का बोलबाला है। इसके पहले पूर्वाकाल में धर्मशास्त्र का स्थान ऊँचा था। आज सौंदर्यशास्त्रीय मेल (हार्मनी) मनोवेगों का मेल है। मेल का अर्थ होता था विभिन्न भागों में पूर्ण अनुरूपता लाना। अब, आज के युग में 'एकता' (युनिटी) के अनेकानेक नियमों का प्रतिपादन हुआ है। मनुष्य, स्त्री, घोड़े, भवन, मूर्ति इनको सामंजस्य पूर्ण रूप में प्रस्तुत करने के लिये कुछ गणित के नियमों का प्रतिपादन हुआ। यदि किसी मृत व्यक्ति का चित्रण किसी चित्र में है तो चित्र में वह व्यक्ति मृत ही लगना चाहिए। किसी जीवित व्यक्ति का चित्रण हो तो वह व्यक्ति जीवित लगना चाहिये। यही चित्रकला की सफलता का राज है।

ध्यान में रखने लायक यह बात है कि वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला इन सब कलाओं का प्रारंभ बिंदु संयोजन कला के अनुभव से की जाती है तथा उसी में विलीन हो जाती है। संयोजन का क्षेत्र विस्तृत है। प्रकृति में पाई जानी वाली वस्तुओं का स्वरूप जानना तथा उस पर विचार करना ही संयोजन कहलाता है। संयम के कारण प्रमाणबद्धता का ज्ञान मिलता है। इस वजह से हमारी वस्तु के बारे में अवधि निश्चित होती है। हम निर्णय लेने में सक्षम बन जाते है। वस्तु विषय का यह प्रतिरूप सामंजस्य पूर्ण होता है और वह एक नया रूप लेकर कलाकार के माध्यम से जन्म लेता है।

संयोजन एक विज्ञान है। प्रकृति में प्राप्त वस्तुओं का योग्य प्रस्तुतिकरण संयोजन के कारण होता है। संयोजन के माध्यम से मनुष्य सुंदर वस्तुओं का निर्माण करता है। प्रमाणबद्धता का ज्ञान मनुष्य को मानव शरीर से ही प्राप्त होता है। यहाँ से यह ज्ञान कलाकार अपनी बुद्धि में आत्मसात करता है। आवश्यक प्रमाणबद्धता का बोध उसे यही होता है। आखिरकार उसकी परिणती कलाकृति में होती है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

अक्तूबर 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा समापन

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर, हैदराबाद, गुवाहाटी और दमोह में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण, श्रमदान, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 25 सितम्बर को 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' नामक मेगा श्रमदान गतिविधि का आयोजन नई दिल्ली के दादादेव मंदिर, उदयपुर के चारभुजा मंदिर, गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, हैदराबाद के चिन्ना पेदम्मा गुड़ी मंदिर और खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय सहित विभिन्न स्थलों पर एक साथ किया गया, जिसमें स्थानीय समुदाय, विद्यार्थी, शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों सहित हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त उदयपुर के नंदवेल और थूर विद्यालयों में कचरा प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुए, जबकि गुवाहाटी के बाघरबाड़ी हाई स्कूल में महात्मा गांधी के विचारों पर चर्चा की गई। रायपुर के उमाथे एक्सीलेंस स्कूल में पाँच सौ छात्रों और शिक्षकों ने व्यापक श्रमदान करके अभियान को और भी प्रभावशाली बनाया।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025" के अंतर्गत 01 अक्टूबर को सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली तथा क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर, हैदराबाद, गुवाहाटी और दमोह में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन आयोजित किया गया। सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हस्ताक्षर अभियान तथा श्रमदान गतिविधि का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में रखरखाव एवं सुरक्षा कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर के अकादमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल, डीडवाना (राजस्थान) में सीसीआरटी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान गतिविधि संपन्न की गई। इसी क्रम में खैरागढ़, छत्तीसगढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में दृश्य कला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा का सफल समापन किया गया। इस अभियान में सीसीआरटी मुख्यालय एवं चारों क्षेत्रीय केंद्रों से कुल 400 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

इसके अतिरिक्त, सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा महान संगीतकार श्री जुबिन गर्ग को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनकी मधुर स्वर-ध्वनि ने भारतीय संगीत एवं संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी है।

एनईपी-2020 के अनुरूप 506वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

30 अक्टूबर से 20 नवम्बर 2025, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

30 अक्टूबर, 2025 को सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर में आयोजित 506वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का उद्घाटन सत्र गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों को सीसीआरटी की स्थापना-भावना, "शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने" की संस्थागत प्रतिबद्धता तथा एनईपी-2020 में उल्लिखित कला-समन्वित शिक्षण के दृष्टिकोण से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों ने कहा कि यह पाठ्यक्रम केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए भारतीय सांस्कृतिक सरणि को अपनी कक्षा में जीवित करने का अवसर है।

उद्घाटन सत्र में पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा, तिथिवार गतिविधियाँ, शैक्षिक भ्रमण, शिल्प-प्रशिक्षण, विरासत एवं प्रदर्शनकारी कलाओं पर सत्र, तथा अंतिम दिन प्रस्तुत होने वाली क्रियायोजना के बारे में भी जानकारी दी गई। यह भी उल्लेख किया गया कि सीसीआरटी उदयपुर का

यह प्रशिक्षण राष्ट्र की सांस्कृतिक विविधता को विद्यालयी शिक्षा से जोड़ने का एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें 07 राज्यों से आए प्रतिभागी शिक्षक अपनी-अपनी भाषायी एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को साझा कर इस पाठ्यक्रम को और अधिक समृद्ध करेंगे ।

● "विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका" विषय पर कार्यशाला

(06 से 10 अक्टूबर, 2025, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सीसीआरटी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अध्याय 22 के अंतर्गत 'विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 79 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन से आरंभ इस कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों ने भारतीय ज्ञान प्रणाली, राजभाषा नीति, नाट्य एवं कला रूपों, संग्रहालयों की शैक्षणिक उपयोगिता तथा पर्यावरणीय जीवनशैली जैसे विषयों पर विचारोत्तेजक सत्र किए। प्रतिभागियों को राष्ट्रीय संग्रहालय, शिल्प संग्रहालय, हस्तकला अकादमी और राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत, शिल्प परंपराओं और विज्ञान की महत्ता को अनुभवात्मक रूप से आत्मसात किया। यह कार्यशाला शिक्षकों के लिए संग्रहालयों को शिक्षा में एकीकृत करने और छात्रों को संस्कृति व विरासत से जोड़ने की दिशा में अत्यंत सफल सिद्ध हुई।

- **"शिक्षा में नाट्यकला" विषय पर कार्यशाला**

(27 से 31 अक्टूबर, 2025, सीमैट, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश)

सीसीआरटी, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली एवं सीमैट (एसआईईएमएटी), प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक "शिक्षा में नाट्यकला" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रयागराज जिले के 94 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इसमें भाग लेकर विषय-विशेषज्ञों से नाट्यकला के विविध आयामों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। नाट्यकला शिक्षा को रोचक, जीवंत एवं अनुभवात्मक बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, संवाद कौशल एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करती है। कार्यशाला का समापन सीसीआरटी अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर की उपस्थिति में हुआ, जहाँ प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के अंतर्गत केंद्रीय चयन समिति (आरएससी)

- सीसीआरटी द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए 'सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस)' के अंतर्गत छात्रवृत्तियों के वितरण एवं वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण हेतु क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक सीसीआरटी के क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर (राजस्थान) में दिनांक 28 से 29 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 11 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए 'सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस)' के अंतर्गत छात्रवृत्तियों के वितरण एवं वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण हेतु क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक सीसीआरटी के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में दिनांक 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2025 तक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 16 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। इस बैठक के दौरान संस्कृति मंत्रालय से उप सचिव श्री अरुण कुमार 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2025 तक उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेला

- स्वदेशी मेला टीम, नई दिल्ली द्वारा 7 से 13 अक्टूबर, 2025 तक सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में 'स्वदेशी मेला' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीआरटी के 03 छात्रवृत्ति धारकों ने समूह नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं, जिनके माध्यम से उन्होंने अपनी प्रतिभा, कलात्मक कौशल एवं सृजनात्मकता का प्रदर्शन दर्शकों के समक्ष किया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

- 1824 की ऐतिहासिक कित्तूर लड़ाई की 200वीं सालगिरह के मौके पर, जिसमें रानी चेन्नम्मा ने ब्रिटिश सेना पर जीत हासिल की थी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने नई दिल्ली के सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में यादगार कार्यक्रम आयोजित किया। सीसीआरटी के विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीआरटी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ 540 स्कूली स्टूडेंट्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कित्तूर लड़ाई की 200वीं सालगिरह के मौके पर रानी चेन्नम्मा पर कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

- सीसीआरटी, मुख्यालय, नई दिल्ली ने 29 अक्टूबर से 01 नवंबर 2025 तक सर्वोदय को-एजुकेशनल स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली और सर्वोदय कन्या विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली में विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के लिए (03) तीन-दिन की कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिसमें लगभग 1,100 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इन वर्कशॉप के दौरान, पारंपरिक कारीगरों ने मिट्टी का काम, मधुबनी पेंटिंग, रंगोली, पेपर क्राफ्ट, भारतीय भाषाओं के गीत और मूक अभिनय का प्रशिक्षण दिया गया।

- सीसीआरटी, मुख्यालय, नई दिल्ली ने 31 अक्टूबर 2025 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' और "लौह पुरुष" सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर, विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वोदय को-एजुकेशनल स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली में एक खास कार्यक्रम आयोजि किया गया।

इस मौके पर, लगभग 200 छात्र-छात्राओं को भारतीय भाषाओं में देशभक्ति का गाना, "हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं" सिखाया गया।

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर ने विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत 29 से 31 अक्टूबर 2025 तक राजकीय महात्मा गांधी स्कूल, सूरजपोल, उदयपुर में कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें क्लास 6 से 12 तक के कुल 145छात्र-छात्राओं को पेपर-मैशे, पॉटरी और मैक्रैम क्राफ्ट की ट्रेनिंग दी गई।

- इसी तरह, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मेड़ता, खेमली, उदयपुर में क्लास 9 से 12 तक के 121 स्टूडेंट्स को राष्ट्रीय भाषाओं में गानों की ट्रेनिंग दी गई।

इन सत्रों के दौरान, छात्र-छात्राओं को अलग-अलग कलात्मक तकनीक व्यावहारिक तरीके से सिखाई गई। उन्होंने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया और अपने हाथों से सुंदर क्राफ्ट रेप्लिका बनाई।

अक्तूबर 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 5232 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.),** निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति) **डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक (प्रशिक्षण-I) **श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक (छात्रवृत्ति) **श्री आशुतोष,** उप निदेशक (प्रशिक्षण-II) **श्री श्रीभगवान वर्मा,** उप निदेशक (उत्पादन) **श्री अनुभव सिंह,** उप निदेशक (प्रशासन) **श्री राम सरन,** उप निदेशक (वित्त)	**डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार,** निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर